तेरी गलियों में ऐ मुरली वाले | By S. R. Madhur

तेरी गलियों में ऐ मुरली वाले
हम यूँ ही आया जाया करेंगे
एक ना एक दिन दरश तो मिलेगा
यूँ ही चक्कर लगाया करेंगे
तेरी गलियों में ऐ मुरली वाले .....

अपने ही मन को मंदिर बना के
दीप भक्ति का उसमे जगा के
आंसुओं से पखारे पगो को
निष्ठां चन्दन लगाया करेंगे
तेरी गलियों में ऐ मुरली वाले .....

नैन दीपक और हाथों की थाली
कर्म पुष्पों से हमने सजा ली
भावना के बनाकर के भोजन
भोग तुमको लगाया करेंगे
तेरी गलियों में ऐ मुरली वाले .....

इस ह्रदय का पलंग हम बनायें
महका फिर बिछोना बिछाएं
प्रेम रुपी चदरिया उढ़ा के
तुमको लोरी सुनाया करेंगे
तेरी गलियों में ऐ मुरली वाले .....

कभी रूठे करोगे मुरारी
हम खुसामद करेंगे तुम्हारी
अपनी बाँहों में लेके किशन यूँ
तुमको झूला झुलाया करेंगे
तेरी गलियों में ऐ मुरली वाले .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%97%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%90-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%b5%e0%a4%be/